Central Water Commission
Technical Documentation Directorate
Bhagirath(English)& Publicity Section
****

West Block II, Wing No-5
R K Puram, New Delhi – 66.

Dated 16/1/18

Subject: Submission of News Clippings.

The News Clippings on Water Resources Development and allied subjects are enclosed for perusal of the Chairman, CWC, and Member (WP&P/D&R/RM), Central Water Commission. The soft copies of clippings have also been uploaded on the CWC website.

16/1/18
SPA (Publicity)

Encl: As stated above.

Deputy Director (Publication) 16/1/18

For information of Chairman &Member (WP&P/D&R/R.M.), CWC and all concerned, uploaded at www.cwc.nic.in

News item/letter/article/editorial published on 16/1/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express ✓
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

AGAINST THE FLOW

Politicising the Mahadayi water dispute makes it that much more difficult to resolve

GOA CHIEF MINISTER Manohar Parikkar's letter to his party's CM face in Karnataka, B.S. Yeddyurappa, last month, has given a new twist to a more than three-decade long river-water dispute. Goa will not oppose "in principle" sharing the waters of Mahadayi river with Karnataka for drinking purposes, Parikkar wrote. The letter provoked angry responses in Parikkar's home state, including from Goa's water resources minister, Vinoda Paliencar. Karnataka CM, Siddaramaiah, dismissed the letter as an election gimmick. Last week after the state's claims over the Mahadayi's water were raised during a day-long bandh in Karnataka, the Goa CM sought to underplay his letter and said the water dispute will be fought before the Mahadayi Water Disputes Tribunal. Parikkar had referred to the tribunal in his letter to Yeddyurappa as well. But the CM's missive on a fraught issue to his party leadership, when the correct course of action would have been to keep the constitutionally-elected government of Karnataka in the loop, raises serious questions of propriety.

Mahadayi water sharing is a boiling issue in over 30 constituencies in North Karnataka. Farmers in Hubballi, Dharwad, Gadag and Belagavi were on protest for almost all of 2016 demanding the implementation of the Kalasa-Banduri water project to divert Mahadayi's water for drinking purposes. But while there is no denying the water crisis in North Karnataka, the diversion of the Mahadayi poses a threat to Goa's ecology. After originating in Karnataka's Belagavi district, the river spends more than two-thirds of its journey in Goa, giving life to the state's mangroves and providing people their staple, fish. So, when in the early 1990s, Karnataka designed a chain of dams and canals to channel the Mahadayi's water to the Malaprabha, a tributary of the Krishna, Goa protested, claiming that the upper riparian state's moves would result in an ingress of saltwater in the river. Ecologists said the dams would disturb Goa's ecological balance.

The matter went to the Supreme Court in 2006 when all attempts at a negotiated settlement between the two states failed. The Mahadayi Water Disputes Tribunal was set up in 2010. Going by the experiences of other river-water disputes, such tribunals can be long-drawn out and their decisions, mostly contentious. The country has not found a mechanism to sort out river-water disputes to the satisfaction of all stakeholders. But with Karnataka slated to go to polls this year, Parrikar's letter to his BJP colleague in a state that his party covets, has given a dimension to the Mahadayi conflict that could result in more harm than good.

News item/letter/article/editorial published on 16/1/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

'नदियां' ला सकती हैं सियासी भूचाल!

पंजाब -16-1-18

देश के बड़े हिस्से में पानी एक बड़ी समस्या बनकर उभर रही है, कहीं बाढ़ तो कहीं सूखे ने आम आदमी की जिंदगी पर असर डाला है। यही कारण है कि नदियां सामाजिक आंदोलनों से जुड़े लोगों से लेकर राजनेताओं के बीच एक गंभीर मुद्दा बनकर उभर रही हैं। आने वाले समय में 'नदियों' के राजनीतिक मुद्दा बनने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। वर्तमान दौर में नदी पानी बटवारा मसले पर कर्नाटक-तामिलनाडु तो पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की राज्य सरकारों के बीच अरसे से विवाद जारी है। इस मुद्दे के साथ राजनीतिक दल आमने-सामने आते रहे हैं। इसके अलावा नदियों की अविरलता और उनमें बढ़ता प्रदूषण पर पर्यावरण प्रेमी व सामाजिक कार्यकर्ता चिंतित हैं। इन दिनों सामाजिक कार्यकर्ता गंगा नदी की थमती रफ्तार, जगह-जगह मिलती गंदगी और पूर्व में किए गए वादों पर अमल नहीं होने से नाराज हैं और वे मंगलवार को दिल्ली के गांधी शांति प्रतिष्ठान में गंगा पर चिंतन-मनन करने जा रहे हैं। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे, जलपुरुष राजेंद्र सिंह से लेकर देश के तमाम पर्यावरण प्रेमी जमा होंगे और गंगा नदी को लेकर कोई बड़े आंदोलन की रणनीति का भी ऐलान कर सकते हैं। जलपुरुष राजेंद्र सिंह ने फोन पर बताया, 'गंगा हमारे देश की आस्था का केंद्र होने के साथ जीवन रेखा है, मगर दुर्भाग्य से आज देश की सबसे प्रदूषित

नदियों में उसकी गिनती होने लगी है, गंगा की दुर्गति का मतलब है, हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रभावित होना। यही कारण है कि देशभर के पर्यावरण और गंगा प्रेमी दिल्ली में 16 जनवरी से गांधी शंति प्रतिष्ठान में जमा हो रहे हैं।'

उनका कहा, 'गंगा में डॉल्फिन की संख्या कम हो रही है, तो दूसरी ओर उसमें मिलने वाली गंदगी की मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। वर्ष 2014 के आम चुनाव में वर्तमान की केंद्र सरकार ने गंगा को लेकर तमाम वादे किए थे, मगर एक पर भी अमल नहीं हुआ। सरकार की इस वादा खिलाफी से असंतोष और बढ़ा है।' एक तरफ गंगा की दुर्गति, दूसरी ओर कई राज्यों में जल बंटवारे पर विवाद और मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी की खातिर निकलने वाली यात्राओं का दौर जारी हैं। यह सारे मसले आने वाले दिनों में सियासत को प्रभावित कर सकते हैं, इस संभावना को नकारा नहीं जा सकता। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नर्मदा को अविरलता, प्रदूषण मुक्त बनाने का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए छह माह की 'नमामि देवी नर्मदा' यात्रा निकली। चौहान की इस यात्रा के खत्म होने के बाद कांग्रेस नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अपनी पत्नी अमृता सिंह के साथ नर्मदा परिक्रमा पर निकल पड़े। सिंह की परिक्रमा को लगभग तीन माह का वक्त बीत चुका है।

वरिष्ठ पत्रकार गिरिजा शंकर का मानना है, 'जो भी यात्राएं निकल रही हैं, वह नदियों को बचाने के लिए नहीं बल्कि अपने राजनीतिक लाभ के लिए निकाली जा रही हैं।

-आईएनएस के सौजन्य से

News item/letter/article/editorial published on 16/1/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

महादयी जल बंटवारा विवाद

गोवा ने रखी पंचाट के समक्ष दलीलें

पणजी. कर्नाटक के साथ नदी की धारा मोड़ने को लेकर चल रहे विवाद के बीच गोवा ने सोमवार को दिल्ली में महादयी जल बंटवारा विवाद निपटारा पंचाट के समक्ष दलीलें पेश की। कर्नाटक की ओर से कलसा-बंडूरी परियोजना के तहत महादयी नदी पर बांध बनाकर पानी की धारा मोड़ने के खिलाफ गोवा की दलीलों पर फरवरी के पहले सप्ताह में सुनवाई होने की संभावना है। पंचाट में गोवा की ओर से पेश होने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता आत्माराम नडकर्णी ने कहा कि राज्य की ओर से तीन खंडों में 531 पृष्ठों की संक्षिप्त दलीलें जमा कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि दलीलें बिंदुवार तैयार की गई है। पहले खंड में पूरे मामले और राज्य के पक्ष को साक्ष्यों के साथ रखा गया है। इसमें हाईड्रोलॉजी प्रभाव को भी शामिल किया गया है।

पत्रिका-16-1-18